

22-9-22

पञ्जाबी केरु इरी बसील जमी ० स्वयं जमी
 उम. बसी एी बसील जमी ० स्वयं जमी की गी
 वाए आवाग लखनवा गरी वाक्य प्रपण के
 नाना. के उम. बसी एी बसी जमी क जमील
 पत्र कलम हावरी कलम पैसी है पौरुष किना
 जाल एी पञ्जाबी मीतल अंगल हावरी कल
 नामिल बसील के हाविल दाल से

WZ

